अधिन्यास (Assignment)
अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
Post Graduauate Diplopma in Translation 2017-18

विषयः अनुवाद **विषय कोडः पी.जी.डी.टी.**
Subject: Translation **Subject Code: PGDT**
कोर्स शीर्षकः अनुवाद सिद्धान्त और प्रविधि **कोर्स कोडः PGDT-01**
Course Title: **Course Code: PGDT-01**

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks : 30

Section – A
खण्ड अ

अधिकतम अंकः 18
Maximum Marks: 18

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । अपने प्रश्नों के उत्तर ८०० से १००० शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।
Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

१. अनुवाद के महत्व और उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए इसके विभिन्न प्रकारों का वर्णन कीजिए। ६

अथवा

अनुवाद के प्रकारों के आधार पर अनुवाद की प्रकृति को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

अनुवाद की प्रक्रिया में पुनरीक्षण, मूल्यांकन और समीक्षा का वैशिष्ट्य बताइए।

२. अंग्रेजी-हिन्दी अनुवाद की समस्याओं का सोदाहरण वर्णन करते हुए सफल अनुवाद की पहचान बताइए। ६

अथवा

अनुवाद की प्रक्रिया के विभिन्न प्रारूपों पर प्रकाश डालिये।

अथवा

अनुवाद का अर्थ और स्वरूप स्पष्ट करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में इसके महत्व का वर्णन कीजिए।

३. अनुवाद की प्रक्रिया में स्रोतभाषा और लक्ष्यभाषा के तुलनात्मक सन्दर्भों का सोदाहरण वर्णन कीजिए। ६

अथवा

जीवन के विभिन्न संदर्भों और क्षेत्रों में अनुवाद के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

अंग्रेजी-हिन्दी अनुवाद की व्यावहारिक समस्याओं और तत्सम्बन्धी समाधानों का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

खण्ड–'ब'
Section – B

M.M: 12

अक – 12

नोटः लघु उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के अपने उत्तर २०० से ३०० शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

४. अननुवाद्यता से क्या तात्पर्य है? इसके आयाम बताइए। २

अथवा

प्राचीन काल में भारत में अनुवाद की स्थिति को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

अंतःभाषिक एवं अन्तरभाषिक अनुवाद में अन्तर को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

५. कोश के प्रकारों का उल्लेख करते हुए 'थिसॉरस' की विशेषताएँ बताइए। २

अथवा

अनुवाद की क्षेत्रीयपरक सीमाओं को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

प्रशासनिक क्षेत्रों में अनुवाद के महत्व को रेखांकित कीजिए।

६. शब्द-कोश निर्माण की प्रक्रिया का संक्षिप्त परिचय दीजिए। २

अथवा

अनुवादक के गुणों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

राष्ट्रीय एकता के विकास में अनुवाद की भूमिका बताइए।

७. लिप्यंकन और लिप्यंतरण में अन्तर बताइए। अनुवाद में लिप्यंतरण की आवश्यकता क्यों पड़ती है? २

अथवा

थिसारस तथा अन्य कोशों में प्रविष्टियों के संयोजन के अंतर को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

छायानुवाद से आप क्या समझते हैं? समझाकर लिखिए।

८. पाश्चात्य वाङ्.मय में अनुवाद की परम्परा पर प्रकाश डालिए। २

अथवा

संस्कृति के संदर्भ में भाषा और साहित्य के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

स्रोत भाषा के साहित्य एवं समाज के प्रति अभिरुचि का विकास करने में अनुवाद की भूमिका बताइए।

९. अनुवाद के पुनरीक्षण, मूल्यांकन और समीक्षा का तात्पर्य समझाइए। २

अथवा

आज के जीवन में कम्प्यूटर के बढ़ते हुए प्रयोग पर प्रकाश डालिए।

अथवा

एक श्रेष्ठ अनुवादक में कौन-कौन से गुण होने चाहिए?

अधिन्यास (Assignment)
अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
Post Graduauate Diplopma in Translation 2017-18

विषयः अनुवाद **विषय कोडः पी.जी.डी.टी.**
Subject: Translation **Subject Code: PGDT**
कोर्स शीर्षकः अनुवाद का भाषिक और सामाजिक पक्ष **कोर्स कोडः PGDT-02**
Course Title: **Course Code: PGDT-02**

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks : 30

Section – A
खण्ड अ

अधिकतम अंकः 18
Maximum Marks: 18

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । अपने प्रश्नों के उत्तर ८०० से १००० शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।
Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

१. पारिभाषिक शब्दावली का तात्पर्य समझाते हुए भारत में परिभाषिक शब्दावली निर्माण के ऐतिहासिक परिदृश्य का वर्णन कीजिए। ६

अथवा

पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धान्त बताते हुए अखिल भारतीय पारिभाषिक शब्दावली के परिपेक्ष्य को स्पष्ट कीजिए?

अथवा

शब्द रचना से क्या तात्पर्य है? शब्द रचना के विभिन्न उपादानों का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

२. अनुवाद की उपयोगिता के सामाजिक सन्दर्भों का विस्तार से वर्णन कीजिए। ६

अथवा

बहुभाषिक समाज में अनुवाद के विभिन्न क्षेत्रों का वर्णन कीजिए?

अथवा

पारिभाषिक शब्दावली से क्या तात्पर्य है? अनुवाद में इसकी आवश्यकता और महत्व बताइए?

३. प्रशासनिक क्षेत्र में अनुवाद की आवश्यकता पर अपने विचार व्यक्त कीजिए। ६

अथवा

देवनागरी लिपि में हुए संशोधन एवं मानकीकरण के प्रयासों का वर्णन कीजिए?

अथवा

अनुवाद में काल, वचन और लिंग का स्रोतभाषा से लक्ष्यभाषा में अन्तरण करने में किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? उदाहरण सहित समझाइए।

खण्ड–'ब'

Section – B

M.M: 12

नोटः लघु उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के अपने उत्तर २०० से ३०० शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

४. भाषा की प्रकृति तथा स्वरूप पर प्रकाश डालिए। २

अथवा

भाषा के विभिन्न प्रकार्यों पर प्रकाश डालिए?

अथवा

सम्प्रेषण की प्रक्रिया और उसमें निहित सामाजिक सन्दर्भ को स्पष्ट कीजिए।

५. भाषा के अन्तर्गत वाक्यों तथा उपवाक्यों का स्वरूप स्पष्ट कीजिए। २

अथवा

भाषाओं में प्रतिफलित काल-रचना की परस्पर अनुवाद्यता का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए?

अथवा

भाषा संरचना और अनुवाद के पारस्परिक सम्बन्ध पर प्रकाश डालिए।

६. देवनागरी लिपि और वर्तनी के मानकीकरण सन्दर्भों का परिचय दीजिए। २

अथवा

शब्द-रचना के उपादानों का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए?

अथवा

अर्थतत्व से आप क्या समझते हैं? अनुवाद प्रक्रिया में इसका महत्व बताइए।

7. तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन में अनुवाद का महत्व बताइए। 2

अथवा

भाषा-विकास में अनुवाद की भूमिका बताइए?

अथवा

पारिभाषिक शब्दावली सम्बन्धी विविध दृष्टिकोणों एवं मान्यताओं का परिचय दीजिए।

८. भाषा-शिक्षण में अनुवाद की उपयोगिता स्पष्ट कीजिए। २

अथवा

अनुवाद में स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा की संरचना का ज्ञान क्यों आवश्यक है?

अथवा

वाक् प्रतीकों की व्यवस्था के रूप में भाषा का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

९. संघ की राजभाषा नीति से आप क्या समझते हैं? परिचय दीजिए। २

अथवा

राष्ट्रीय, सांस्कृतिक, सामाजिक एकता के लिए अनुवाद क्यों आवश्यक है?

अथवा

अखिल भारतीय पारिभाषिक शब्दावली की संकल्पना समझाइए।

अधिन्यास (Assignment)
अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
Post Graduauate Diplopma in Translation 2017-18

विषयः अनुवाद **विषय कोडः पी.जी.डी.टी.**
Subject: Translation **Subject Code: PGDT**

कोर्स शीर्षकः व्यावहारिक अनुवाद : स्तर और क्षेत्र **कोर्स कोडः PGDT-03**
Course Title: **Course Code: PGDT-03/UGSHI-02**

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks : 30

Section – A

खण्ड अ अधिकतम अंकः 18
Maximum Marks: 18

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । अपने प्रश्नों के उत्तर ८०० से १००० शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।
Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

१. वाक्य में काल के विभिन्न रूपों और पक्षों का सोदाहरण वर्णन कीजिए। ६

अथवा

सारानुवाद का अर्थ स्पष्ट करते हुए इसके प्रयोग क्षेत्रों का परिचय दीजिये?

अथवा

पद बंध और उनके भेदों की चर्चा कीजिए।

२. अनुवाद के सन्दर्भ में पर्याय चयन एवं जटिल वाक्यों का वैविध्य बताते हुए इनके अनुवाद की प्रविधि का सोदाहरण वर्णन कीजिए। ६

अथवा

आशु अनुवाद क्या है? राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ में इसकी आवश्यकता पर प्रकाश डालिए?

अथवा

उपवाक्य क्या है? उनके प्रकारों को स्पष्ट कीजिए।

३. आदर्श अनुवाद से क्या तात्पर्य है? भारत में आदर्श अनुवाद की आवश्यकता वाले विभिन्न क्षेत्रों का वर्णन कीजिए। ६

अथवा

वाच्य परिवर्तन के सामान्य और विशिष्ट नियमों को उदाहरण देकर समझाइए?

अथवा

हिन्दी तथा अंग्रेजी की वाक्य संरचना के प्रकृतिगत अन्तर को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड– ब
Section – B

M.M: 12
अंक – 12

नोटः लघु उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के अपने उत्तर २०० से ३०० शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

४. वाक्य किसे कहते हैं? इसके छह अनिवार्य तत्व बताइए। २

अथवा

क्रिया पदबंध के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए?

अथवा

वाक्य में समुच्चयबोधकों की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

५. 'पदबन्ध' से आप क्या समझते हैं? इनके प्रकार बताइए। २

अथवा

संज्ञार्थक क्रियाओं की प्रकृति को समझाइये?

अथवा

वाक्य के औपचारिक तथा वैचारिक पक्ष के अन्तर को स्पष्ट कीजिए।

६. संज्ञार्थक क्रियाओं से क्या तात्पर्य है? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। २

अथवा

वांछनीयतामूलक क्रियाओं के उदाहरण देते हुए अनुवाद के नियम बताइए।

अथवा

वाक्य में काल और पक्ष के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

7. पूर्णकालिक कृदन्त (Perfect Participle) के उदाहरण दीजिए। 2

अथवा

क्रिया पदबन्धों के अनुवाद का वैशिष्ट्य बताइए।

अथवा

'सक' वग (Modals) की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

८. शर्त सूचक वाक्यों (Conditional Senntences) के अनुवाद का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए। २

अथवा

वाक्य में कालक्रम के महत्व को स्पष्ट कीजिये?

अथवा

वाक्य रचना में क्रिया विशेषण को स्थिति को स्पष्ट कीजिए।

९. सारानुवाद का स्वरूप और प्रविधि बताइए। २

अथवा

अनुवाद में शब्द कोशों के महत्व पर प्रकाश डालिए?

अथवा

वाक्य परिवर्तन के सामान्य नियम को स्पष्ट कीजिए।

अधिन्यास (Assignment)
अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
Post Graduauate Diplopma in Translation 2017-18

विषयः अनुवाद **विषय कोडः पी.जी.डी.टी.**
Subject: Translation **Subject Code: PGDT**
कोर्स शीर्षकः प्रशासनिक अनुवाद **कोर्स कोडः PGDT-04**
Course Title: **Course Code: PGDT-04**

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks : 30

Section – A

खण्ड अ

अधिकतम अंकः 18
Maximum Marks: 18

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । अपने प्रश्नों के उत्तर ८०० से १००० शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।
Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

१. कार्यालय की भाषा का स्वरूप स्पष्ट करते हुए कार्यालयी हिन्दी के विकास में अनुवाद की भूमिका पर प्रकाश डालिए। ६

अथवा

प्रशासनिक कार्यों में अनुवाद की भूमिका को स्पष्ट करते हुए प्रशासनिक हिन्दी की चुनौतियों एवं समस्याओं पर प्रकाश डालिए?

अथवा

भाषा प्रयुक्ति के विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली का परिचय देते हुए उनके अनुवाद का वैशिष्ट्य बताइए।

२. प्रशासनिक पत्राचार के विविध रूपों का परिचय देते हुए उनके अनुवाद का वैशिष्ट्य बताइए। ६

अथवा

जनसंचार माध्यमों के क्षेत्र में की जाने वाली भाषा-प्रयुक्तियों पर प्रकाश डालते हुए उनके अनुवाद का वैशिष्ट्य बताइए।

अथवा

कार्यविधि साहित्य के अनुवाद से आप क्या समझते हैं? इसकी विशेषताएं बताइए।

३. प्रशासनिक अनुवाद की सामान्य भूलों और उनके समाधानों का वर्णन कीजिए। ६

अथवा

भाषा प्रयुक्ति की संकल्पना को स्पष्ट करते हुए उसके प्रमुख विषय क्षेत्रों पर प्रकाश डालिए?

अथवा

संसदीय प्रश्नोत्तर तथा डिबेट आदि कार्यवाहियों के अनुवाद की विशेषताएँ बताइए।

खण्ड–'ब'
Section – B

M.M: 12
अंक – 12

नोटः लघु उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के अपने उत्तर २०० से ३०० शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

४. प्रशासनिक शब्दावली के प्रयोग में सही पर्याय चयन और समुचित वाक्य विन्यास की उपयोगिता बताइए। २

अथवा

फार्मों के अनुवाद की आवश्यकता को समझाइए?

अथवा

विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुवाद का वैशिष्ट्य बताइए।

५. सृजनात्मक साहित्य के अनुवाद और तकनीकी अनुवाद की तुलना कीजिए। २

अथवा

हिन्दी में तार संबंधी अनुवाद नियम क्या हैं?

अथवा

कार्यालय ज्ञापन और अधिसूचना में क्या अंतर है?

६. टिप्पण, प्रारूपण और अनुवाद का संबंध वर्णित कीजिए। २

अथवा

विज्ञापनों के अनुवाद के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए?

अथवा

फार्मों के अनुवाद की आवश्यकता पर प्रकाश डालिए।

७. मैनुअलों तथा रिपोर्टों के अनुवाद का वैशिष्ट्य बताइए। २

अथवा

प्रशासनिक पत्रों में काम आने वाले प्रमुख वाक्यांश कौन-कौन से हैं?

अथवा

प्रशासनिक पत्रों के अनुवाद की आवश्यकता पर टिप्पणी लिखिए।

८. राजनयिक पत्रों व प्रलेखों तथा अंतर्राष्ट्रीय संधियों-समझौतों के अनुवाद की विशेषता बताइए। २

अथवा

अनुवाद में सटीक पयार्यो के चयन की भूमिका को स्पष्ट कीजिए?

अथवा

सारानुवाद एवं अनुवाद का तात्पर्य समझाइए।

९. विधिक प्रकृति के कागजात का अनुवाद कैसे किया जाता है? २

अथवा

बैंकिंग क्षेत्रों में किए जाने वाले प्रशासनिक अनुवाद का वैशिष्ट्य बताइए।

अथवा

फार्मों के अनुवाद में प्रयुक्त तकनीकी शब्दावली का परिचय दीजिए।

अधिन्यास (Assignment)
अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
Post Graduauate Diplopma in Translation 2017-18

विषयः अनुवाद **विषय कोडः पी.जी.डी.टी.**
Subject: Translation **Subject Code: PGDT**
कोर्स शीर्षकः हिन्दी भाषा : इतिहास और वर्तमान **कोर्स कोडः PGDT-05**
Course Title: **Course Code: PGDT-05**

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

Section – A
खण्ड – अ

अधिकतम अंक : 18
Maximum Marks: 18

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न।प्रश्नों के अपने उत्तर ८०० से १००० शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।
Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answerall questions. All questions are compulsory.

प्र०न० १ मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाओं के विकास का वर्णन कीजिए। ६

अथवा

विश्व के प्रमुख भाषा परिवारों का परिचयात्मक वर्णन करते हुए भारोपीय परिवार का वर्गीकरण कीजिए।

अथवा

हिन्दी की प्रमुख उपभाषाओं और बोलियों का परिचय देते हुए उनका क्षेत्र-विस्तार बताइए।

प्र०न० २ भारोपीय परिवार की शाखाओं का वर्णन करते हुए इस भाषा- परिवार की विशेषताएँ बताइए। ६

अथवा

सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी के अखिल भारतीय स्वरूप का वर्णन कीजिए।

अथवा

हिन्दी भाषा के उद्‌भव और विकास का वर्णन कीजिए।

प्र०न० ३ प्रयोजनमूलक हिन्दी से क्या अभिप्राय है? इसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। ६

अथवा

हिन्दी भाषा के विकास एवं आधुनिकीकरण के विविध आयामों का वर्णन कीजिए।

अथवा

राजभाषा के रूप में हिन्दी के संवैधानिक विकास की दशा और दिशा का वर्णन कीजिए।

Section – B
खण्ड–ब

अधिकतम अंक–12
Maximum Marks 12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के अपने उत्तर २०० से ३०० शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
Note : Short Answer Questions. Answer should be given in 200 to 300 words. All question are compulsory.

प्र०न० ४ बोलचाल की भाषा और लिखित भाषा में अंतर बताइए। २

अथवा

सम्प्रेषण तथा सामाजिक व्यवहार की दृष्टि से भाषा का स्वरूप बताइए।

अथवा

भारत में बोले जाने वाले चार प्रमुख भाषा-परिवारों का परिचय दीजिए।

प्र०न० ५ हिन्दी की प्रमुख उपभाषाओं और उनके अन्तर्गत आने वाली बोलियों का नामोल्लेख कीजिए । २

अथवा

आधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं का परिचय दीजिए।

अथवा

शिक्षा माध्यम का राष्ट्रीय सामाजिक जीवन से क्या सम्बन्ध हैं ?

प्र०न० ६ राजभाषा के रूप में हिन्दी की संवैधानिक तथा व्यावहारिक स्थिति पर प्रकाश डालिए। २

अथवा

आधुनिक युग में खड़ी बोली के विकास की पृष्ठभूमि का वर्णन कीजिए।

अथवा

त्रिभाषा सूत्र से आप क्या समझते हैं?

प्र०न० ७ पूर्वी हिन्दी और पश्चिमी हिन्दी में अन्तर बताइए। २

अथवा

बीसवीं शताब्दी में हिन्दी भाषा और साहित्य का विकासात्मक परिप्रेक्ष्य बताइए।

अथवा

हिन्दी, उर्दू और हिन्दुस्तानी का संदर्भ स्पष्ट कीजिए।

प्र०न० ८ मानक हिन्दी की व्याकरणिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए। २

अथवा

दक्खिनी हिन्दी से आप क्या समझते हैं? इसका वैशिष्ट्य बताइए।

अथवा

हिन्दी के मानकीकरण सन्दर्भ पर प्रकाश डालिए।

प्र०न० ९ भाषा के विविध प्रकार्यों अथवा भूमिकाओं का परिचय दीजिए। २

अथवा

राजभाषा और राष्ट्रभाषा में अन्तर को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

हिन्दी का अन्तर्राष्ट्रीय सन्दर्भ स्पष्ट कीजिए।

अधिन्यास (Assignment)
अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
Post Graduauate Diplopma in Translation 2017-18

विषयः अनुवाद **विषय कोडः पी.जी.डी.टी.**
Subject: Translation **Subject Code: PGDT**
कोर्स शीर्षकः प्रयोजन मूलक हिन्दी **कोर्स कोडः PGDT-06**
Course Title: **Course Code: PGDT-06**

Section – A
खण्ड – अ

अधिकतम अंक : 18
Maximum Marks: 18

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के अपने उत्तर ८०० से १००० शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।
Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answerall questions. All questions are compulsory.

१. प्रशासनिक क्षेत्रों में प्रयुक्त हिन्दी भाषा के प्रयोजनमूलक स्वरूप का वर्णन कीजिए। ६

अथवा

कार्यालयी हिन्दी की संवैधानिक पृष्ठभूमि का वर्णन करते हुए उसके क्रियान्वयन की स्वरूपगत विशेषताएँ बताइए।

अथवा

हिन्दी वर्तनी की अनेकरूपता के कारण आने वाली लिपि संबंधी समस्याओं का वर्णन करते हुए शिक्षा मंत्रालय द्वारा इस संबंध में जारी किए गए मानकीकरण नियमों का उल्लेख कीजिए।

२. संपादन किसे कहते हैं? इसकी प्रक्रिया के विभिन्न चरणों और तकनीकी पक्षों का उल्लेख कीजिए। ६

अथवा

जनसंचार माध्यमों के क्षेत्र में प्रयोग किए जाने वाले हिन्दी भाषा के प्रयोजनमूलक स्वरूप का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

अथवा

कार्यालयी हिन्दी का स्वरूप बताते हुए इसके विभिन्न प्रयोग क्षेत्रों का वर्णन कीजिए।

३. वैज्ञानिक शब्दावली निर्माण के सिद्धान्त तथा भाषिक युक्तियों पर प्रकाश डालिए। ६

अथवा

बैठकों और प्रतिवेदनों के सम्बन्ध में प्रयुक्त हिन्दी भाषा के स्वरूप का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

अथवा

प्रशासनिक पत्रों के प्रकार बताते हुए उनकी प्रारूपगत विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

Section – B
खण्ड–ब

अधिकतम अंक–12
Maximum Marks: 12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के अपने उत्तर २०० से ३०० शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

Note : Short Answer Questions. Answer should be given in 200 to 300 words. All question are compulsory.

प्र०न० ४ हिन्दी की वर्तनी संबंधी समस्याओं पर प्रकाश डालिए। २

अथवा

हिन्दी भाषा के मानकीकरण की प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए।

अथवा

लिपि तथा वर्तनी का सम्बन्ध स्पष्ट कीजिए।

प्र०न० ५ हिन्दी वाक्य -रचना के प्रकारों का वर्णन कीजिए। २

अथवा

सामान्य हिन्दी, साहित्यिक हिन्दी और प्रयोजनमूलक हिन्दी में अन्तर बताइए।

अथवा

हिन्दी के आधारभूत वाक्य साँचे का वर्णन कीजिए।

प्र०न० ६ पारिभाषिक शब्दावली निर्माण की प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए। २

अथवा

बैंकिंग और वाणिज्य के क्षेत्र में प्रयोजनमूलक हिन्दी की प्रयुक्तियों का परिचय दीजिए।

अथवा

हिन्दी शब्द कोश में शब्दों के क्रम पर टिप्पणी लिखिए।

प्र०न० ७ कार्यालयी हिन्दी के स्वरूप -निर्माण में अनुवाद की भूमिका स्पष्ट कीजिए। २

अथवा

संक्षेपण अथवा सार लेखन से आप क्या समझते हैं? इसका प्रशासनिक महत्व बताइए।

अथवा

कार्यसूची तथा कार्यवृत्त में अन्तर लिखिए।

प्र०न० ८ कार्यालयी संदर्भ में टिप्पण और प्रारूपण की उपयोगिता पर प्रकाश डालिए। २

अथवा

वैज्ञानिक और तकनीकी क्षेत्रों में पर्याय चयन, शब्द-रचना तथा प्रयोग का वैशिष्ट्य बताइए।

अथवा

वैज्ञानिक शब्दावली निर्माण के सिद्धान्त तथा भाषिक युक्तियों पर प्रकाश डालिए।

प्र०न० ९ अच्छे समाचार लेखन और प्रस्तुतीकरण के आवश्यक नियम बताइए। २

अथवा

विधि के क्षेत्र में हिन्दी भाषा के कार्यालयी स्वरूप का वर्णन कीजिए।

अथवा

समाचार सम्पादन की प्रक्रिया के विभिन्न चरणों और तकनीकी पक्षों का परिचय दीजिए।